फूलों में सज रहे हैं | By Vidhi Sharma

फूलों में सज रहे हैं श्री वृन्दावन बिहारी
और साथ सज रही है वृषभानु की दुलारी
फूलों में सज रहे हैं .....

टेढ़ा सा मुकुट सर पर रखा है किस अदा से
करुणा बरस रही है करुणा भरी निगाह से
बिन मोल बिक गए हैं जबसे छवि निहारी
फूलों में सज रहे हैं .....

बहिया गले में डाले जब दोनों मुस्कुराते
सबको ही प्यारे लगते सबके ही मन को भाते
इन दोनों पे मैं सदके इन दोनों पे मैं वारी
फूलों में सज रहे हैं .....

श्रृंगार तेरा प्यारे शोभा कहूं क्या उसकी
श्रृंगार तेरा प्यारे शोभा कहूं क्या उसकी
इत पे गुलाबी पटका उत पे गुलाबी साडी
फूलों में सज रहे हैं .....

नीलम से सोहे मोहन स्वर्णिम सी सोहे राधा
नीलम से सोहे मोहन स्वर्णिम सी सोहे राधा
इत नन्द का है छोरा उत भानु की दुलारी
फूलों में सज रहे हैं .....

चुन चुन के कलियाँ जिसने बँगला तेरा बनाया
दिव्य आभूषणों से जिसने तुझे सजाया
उन हाथों पे मैं सदके उन हाथो पे मैं वारी
फूलों में सज रहे हैं .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ab%e0%a5%82%e0%a4%b2%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b8%e0%a4%9c-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%82-by-vidhi-sharma/